।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600, 224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

'संबोधि' पर प्रवचन में आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा

पहला सुख निरोगी काया

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 19 मार्च : आचार्य महाप्रज्ञ ने जैन धर्म की गीता 'संबोधि' पर प्रवचन करते हुए कहा कि पहला सुख निरोगी काया प्रचलित है परन्तु आदमी खाने में सुख खोज रहा है। वह क्षणिक सुख के पीछे कुछ ऐसा खा लेता है जो लम्बे समय तक दुख देने वाला साबित होता है। वास्तव में वह सुख होता है जिसका भोग करने के बाद दुख पैदा न हो। आचार्यप्रवर ने कहा कि मोह की बीमारी से ग्रस्त आंखें वास्तविक सुख को देख नहीं पाती है। जैसा होता है वैसा नहीं देखती। मोह के आवेश के कारण आंखे दुख को सुख और सुख को दुख मान लेती है। उन्होने कहा कि उपवास करने वाले दुख को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। बल्कि वे भीतर का सुख प्रकट कर रहे हैं अगर भीतर का सुख प्रमुख न हो तो आदमी उपवास नहीं कर सकता।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि हमारे अन्दर ज्ञान का प्रकाश और सदाचार की सौरभ होनी चाहिए। सम्यक् ज्ञान और सम्यक् आचार हो तो जीवन अच्छा बन जाता है। ज्ञान मिथ्या है तो आचार भी मिथ्या हो जाता है। उन्होने गीता के 18 अध्याय में प्रयुक्त ज्ञान के प्रकारों में राजस् ज्ञान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यथार्थ का ज्ञान कराने वाला सात्विक ज्ञान है और जो राग द्वेष युक्त ज्ञान कराता है वह राजस् ज्ञान की श्रेणी में आता है।

250 वां अभिनिष्क्रमण दिवस समारोह 24 को

तेरापंथ के दशम अधिशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्यम में 250वां अभिनिष्क्रमण दिवस समारोह का आयोजन 24 मार्च को प्रातः 9 बजे से किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के महामंत्री भीकमचंद पुगलिया ने बताया कि 250 वर्ष पूर्व तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु ने आगमिक आधार के आचार की पालना हेतु नई क्रांति करते हुए आचार्य रघुनाथजी के सम्प्रदाय से अभिनिष्क्रमण किया था। उस राम नवमीं के दिन लिखी गई तेरापंथ के अभ्युदय की कहानी संकड़े मार्गो से गुजरते हुए विकास के राजपथ पर गतिमान है। उन्होने बताया कि इस अभिनिष्क्रमण दिवस समारोह मे अनेक वक्ताओं के द्वारा आचार्य भिक्षु के दर्शन और विचार क्रांति के संदर्भ में अभिव्यक्ति दी जायेगी। यह क्रांति बगड़ी से जुड़ी होने के कारण आचार्य भिक्षु के प्रथम प्रवास जैतसिंह की छत्तरी के समीप विराट स्तर पर आयोजन भी किया जायेगा। इस समारोह का एक चरण 25 मार्च को भी रखा जायेगा।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक